ज्ञानदीप

भारत सरकार
रेल मंत्रालय
भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे – 411 001
(आई. एस. ओ. : 9001-2008 प्रमाणित भारतीय रेल का प्रथम केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थान)
Government of India
Ministry of Railways
INDIAN RAILWAYS INSTITUTE OF CIVIL ENGINEERING PUNE 411001
(Indian Railways First ISO-9001-2000 Certified Centralized Training Institute)

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन
To Beam As A Beacon of Knowledge

संस्थान – डी ओ टी (020) 26127951, 26123680
रेलवे – 55222, 55862
छात्रावास – डी ओ टी (020) 26130579, 26126816, 26121669
रेलवे – 53101, 53102, 253103
फैक्स: 020-26128677 रेलवे: 55860
ई–मेल: mail@iricen.gov.in
वेब साइट : www.iricen.gov.in

वर्ष – 22 | अंक – 84 | जनवरी – मार्च 2018

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन To Beam as a Beacon of Knowledge

इस अंक में

1. भा.रे. इंजी. सेवा के परिवीक्षार्थियों की महामहिम राष्ट्रपति से मुलाकात
2. संस्थान में गणतंत्र दिवस का आयोजन
3. रेलमंत्री राजभाषा रजत पदक सम्मान
4. ईपीसी एवं पीपीपी मोड के ठेके पर कार्यशाला
5. सरस्वती पूजा का आयोजन
6. इरिसेन में कर्मचारियों के लिए चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन
7. आईपीडब्लुई (आई) तकनीकी सेमिनार
8. महापुरुषों की जयंती के अवसर पर प्रेरणा एवं मार्गदर्शन संगोष्ठी
9. ''कार्य में कुशलता बढाने में वैज्ञानिक आध्यामिकता की अनिवार्यता'' एवं ''तनाव एवं समय प्रबंधन'' पर संगोष्ठी का आयोजन
10. निकट भविष्य में आयोजित विशेष पाठ्यक्रम
11. स्वागत / विदाई
12. समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट अधिकारी

1. भा.रे.इंजी.सेवा के परिवीक्षार्थियों की महामहिम राष्ट्रपति से मुलाकात

भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा के 2015 बैच के परिवीक्षार्थियों ने महामहिम राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद से दिनांक 10 जनवरी, 2018 को राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की। भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान के लिए यह एक अविस्मरणीय दिन था जब देश के सर्वोच्च पदासीन महामहिम राष्ट्रपति ने इंजीनियरिंग के अधिकारियों को उनके फील्ड में प्रशिक्षण पूरा करने के बाद उनकी कार्यक्षमताओं को और अधिक विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

महामहिम राष्ट्रपति के पास कुल 51 परिवीक्षार्थियों का दल मुलाकात करने गया था जिनमें 03 महिला परिवीक्षार्थी भी थीं। भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा के परिवीक्षार्थियों के दल का नेतृत्व माननीय श्री महेश कुमार गुप्ता, सदस्य इंजीनियरिंग, रेलवे बोर्ड कर रहे थे।

इस अवसर पर श्री महेश कुमार गुप्ता, सदस्य इंजीनियरिंग, रेलवे बोर्ड, श्री अशोक कुमार मिश्र, निदेशक, इरिसेन, श्री अनुराग, सदस्य इंजीनियरिंग के OSD एवं श्री विनीत गुप्ता, वरिष्ठ प्राध्यापक, पुल–1, इरिसेन भी राष्ट्रपति भवन में मौजूद थे। अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड श्री अश्वनी लोहानी ने महामहिम राष्ट्रपति जी का स्वागत किया। इस बार IRSEE,IRSME,IRAS एवं IRSS, विभाग के परिवीक्षार्थियों ने भी राष्ट्रपति भवन में महामहिम राष्ट्रपति जी से मुलाकात की। राष्ट्रपति महोदय ने परिवीक्षार्थियों को संबोधित किया और उन्हें अपना लक्ष्य तय करने की प्रेरणा दी। आपने सभी परिवीक्षार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। सदस्य (कार्मिक), रेलवे बोर्ड ने महामहिम राष्ट्रपति के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट की और अपना बहुमूल्य समय देकर इन युवा अधिकारियों को प्रोत्साहित करने के लिए उनका आभार माना। महामहिम राष्ट्रपति के इस मुलाकात से परिवीक्षार्थियों में काम के प्रति निष्ठा एवं सामुदायिक उद्देश्यों की पूर्ति को बढ़ावा मिलता है ।

संरक्षक
अशोक कुमार मिश्र
निदेशक
भा.रे.इं.सं.पुणे

मुख्य संपादक
शरद कुमार अग्रवाल
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
एवं प्राध्यापक, पुल

संपादक
राजू पाल
वरिष्ठ अनुवादक
सहयोग–उदय ताजणे, क.अनुवादक

2. संस्थान में गणतंत्र दिवस का आयोजन

संस्थान में दिनांक 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस का आयोजन किया गया। श्री अशोक कुमार मिश्र, निदेशक/इरिसेन ने ध्वजारोहण किया। राष्ट्रगान के उपरांत निदेशक महोदय ने उपस्थित सदस्यों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी। गणतंत्र का वास्ताविक अभिप्राय है कि समूह के कल्याण के लिए कार्य किए जाए। भेदभाव जैसे संकीर्णता से उठकर जनकल्याण के कार्यों के लिए त्याग एवं बलिदान की आवश्यकता होती है। तदुपंरात खेल प्रतिस्पर्धा का कार्यक्रम रखा गया। खेलकूद के कार्यक्रम में लेमन स्पून, जैसे अनेक बच्चों के लिए मनोरंजक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन सभी कार्यक्रमों के आयोजन में खिलाड़ियों के साथ सभी दर्शकों का भी भरपूर मनोरंजन हुआ। सभी कार्यक्रमों में निदेशक महोदय, संकाय सदस्यगण, प्रशिक्षु अधिकारीगण, परिवीक्षार्थियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

3. रेलमंत्री राजभाषा रजत पदक सम्मान

भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुसार हिंदी के प्रयोग–प्रसार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रेल मंत्रालय द्वारा विभिन्न पुरस्कार योजनाएं लागू की गई हैं।

इन्हीं योजनाओं में से एक वरिष्ठ प्रशासनिकग्रेड के अधिकारियों को अपने कार्यक्षेत्र में हिंदी के प्रयोग प्रसार को बढ़ाने में उत्कृष्ट एवं अनुकरणीय योगदान देने के लिए 'रेलमंत्री राजभाषा रजत पदक' से सम्मानित करने का प्रावधान है। संस्थान के श्री चंद्रशेखर शर्मा, वरिष्ठ प्राध्यापक, रेलपथ–I को अपने कार्यक्षेत्र में हिंदी के प्रयोग प्रसार को बढ़ावा देने में उत्कृष्टता को देखते हुए रेल मंत्रालय द्वारा वर्ष 2016 के लिए 'रेलमंत्री राजभाषा रजत पदक' से सम्मानित किया गया। श्री शर्मा को यह सम्मान दि. 23 फरवरी, 2018 को आयोजित राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में सदस्य (कार्मिक) रेलवे बोर्ड, श्री डी. के. गायन के द्वारा प्रदान किया गया। संस्थान की ओर से श्री शर्मा को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई।

4. ईपीसी एवं पीपीपी मोड के ठेके पर कार्यशाला

संस्थान में दिनांक 08 एवं 09 मार्च, 2018 को इस कार्यशाला का आयोजन किया गया। सेमिनार में 18 अधिकारियों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला में निदेशक/इरिसेन ने 'विकसित व्यक्तित्व' (अर्थात ईमानदारीपूर्वक परिश्रम से कार्य करने) की आवश्यकता को तर्कसंगत वैज्ञानिक तरीके से समझाया। इस संबोधन के पश्चात श्री संजय खरे, वरिष्ठ प्राध्यापक/कार्य ने 'इंट्रोडक्शन टू ईपीसी कॉन्ट्रैक्ट्स' एवं 'ईपीसी ठेकों का परिचय', श्री नवीन अग्रवाल, महाप्रबंधक (राजस्व), RLDA (VL), ने 'पीपी फॉर स्टेशन डेवलपमेंट – इंडियन रेलवे एक्सपिरिएन्स', कु. मोना श्रीवास्तव, उप मुख्य इंजी./नि./उरे (अ.व्या.), ने 'एक्सपिरिएन्स ऑफ नार्दन रेलवे इन डिलिंग ईपीसी कॉन्ट्रैक्ट्स' श्री ए. के. पटेल, प्राध्यापक – रेलपथ ने 'अप्रुवुल प्रोसेस, रोल ऑफ अथॉरिटीस् इंजीनियर्स एंड इट्स इम्पलिमेन्टेशन', श्री प्रवीण कुमार, जीजीएम/डीएफसीसीआईएल ने 'डीएफसी एक्सपिरिएन्स एंड ईपीसी कॉन्ट्रैक्ट्स ऑर रोल ऑफ पीएमसी इन ईपीसी कॉन्ट्रैक्ट्स', श्री ए.के.तिवारी, निदे./ पीपी(सिविल) / रेलवे बोर्ड (अ.व्या.) ने 'मॉडिफिकेशन इन RFP / RFQ, जनरल सिनेरिओ ऑफ पीपी एंड ईपीसी, लेटेस्ट पोजिशन इन इंडियन रेलवे, इशु इन पीपीपी विथ डिफर्ड पेमेंट' (वार्षिक) इत्यादि पर विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिया।

5. माँ सरस्वती पूजा का आयोजन

वसंत पंचमी के अवसर पर दिनांक 22 जनवरी, 2018 को संस्थान में मां सरस्वती की पूजा का आयोजन बड़ी श्रद्धा के साथ किया गया। संस्थान के निदेशक श्री.अशोक कुमार मिश्रा ने माँ सरस्वती के प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलन करते हुए विद्या की देवी की आराधना की। माँ सरस्वती की उपासना का अर्थ है– ज्ञान, साहित्य, कला, संगीत, नृत्य जैसे अनेक गुणों के प्रति सम्मान और उन्हें बढ़ावा देने का प्रयास करना है। मनुष्य का सर्वांगीण विकास ही समाज का सही विकास है। माँ सरस्वती की पूजा में समस्त अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण ने हिस्सा लिया। विद्या के इस मंदिर में मां सरस्वती की पूजा अर्चना के उपरांत प्रसाद वितरण किया गया।

6. इरिसेन में कर्मचारियों के लिए चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन

दिनांक 16 फरवरी, 2018 को इरिसेन स्पोर्टस कॉम्पलेक्स में समूह एवं श्रेणी के कर्मचारियों के लिए चिकित्सा जांच का आयोजन किया गया। संस्थान के अधिकांश कर्मचारियों द्वारा इस चिकित्सा शिविर का लाभ

उठाया गया। अच्छा स्वास्थ्य हमारे जीवन की संपति है परंतु प्राय: हम इसकी पूरी तरह से कद्र नहीं करते। हम खान–पान की रोचक पद्धति और उसके अनुभवजनित लाभ के बारे में नहीं जानते हैं। हमें आरोग्यदायी भोजन का नियम, व्यायाम की निरंतरता और शरीर की समय–समय पर डॉक्टरी जांच को कायम रखना चाहिए। सौभाग्य से अपने अच्छे स्वास्थ्य को कायम रखने के लिए ज्यादा कुछ करने की जरुरत भी नहीं होती।

7. आईपीडब्ल्युई (आई) तकनीकी सेमिनार

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी दिनांक 23 एवं 24 फरवरी, 2018 को गुवाहाटी में ''लेवरेंजिंग डेवलपमेंट इन मोनिटरिंग टेक्नालॉजी फॉर आप्टिमाइजिंग ट्रैक, ब्रिज एंड टनल मेन्टेनस'' पर आयोजित आईपीडब्ल्युई (आई) सेमिनार में इरिसेन ने सक्रियता से हिस्सा लिया। तकनीकी प्रदर्शनी में संस्थान द्वारा प्रकाशित विभिन्न तकनीकी पुस्तकें, फिल्में एवं ई–लर्निंग सीडी को दिखाने के लिए इरिसेन का स्टॉल लगाया गया था।

8. महापुरुषों की जयंती के अवसर पर प्रेरणा एवं मार्गदर्शन संगोष्ठी

संस्थान में वर्तमान तिमाही के अंतर्गत आने वाली महापुरूषों की जयंती के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों द्वारा इस संबध में महापुरूषों के जीवन पर अपने विचार व्यक्त किए गए। नेताजी सुभाष चंद्र बोस, समर्थ गुरू रामदास, स्वामी रामकृष्ण परमहंस आदि महापुरूषों के बारे में जानने का अवसर प्राप्त हुआ। संगोष्ठी में संकाय सदस्य गण, प्रशिक्षु अधिकारीगण तथा कर्मचारी गण उपस्थित थे।

9. कार्य में कुशलता बढाने में वैज्ञानिक आध्यामिकता की अनिवार्यता एवं तनाव एवं समय प्रबंधन पर संगोष्ठी का आयोजन

दिनांक 03.01.2018 को श्रद्धेय वीरेश्वर उपाध्याय, वरिष्ठ मनीषी, शांति कुंज, हरिद्वार द्वारा **''कार्य में कुशलता बढ़ाने में आध्यामिकता की अनिवार्यता''** विषय पर व्याख्यान दिया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ मनीषी ने बताया कि मन पर कैसे नियंत्रण करें। मन मक्खी के समान गन्दी वस्तुओं से एवं स्वच्छ उपयोगी वस्तुओं से रस ले सकता है। विवेक / चेतना इसे सही दिशा देती है। विचारों को पचाने के लिए जीवन में उतारने के लिए अभ्यास की आवश्यकता होती है। मनुष्य अपने इंन्द्रियों को मन को संयमित रखकर अपनी कार्यक्षमता को बढ़ाकर अधिक सफल हो सकता है। इस कार्यक्रम के दौरान उनके सहयोगी ने एक कविता पाठ भी किया जो बहुत की प्रेरणात्मक रहा।

दिनांक 17.01.2018 को डॉ.आशुतोष त्रिवेदी, संकाय सदस्य, डिपार्टमेंट ऑफ फिजिक्स, आई.बी.एस.खंडारी, कैम्पस, आगरा द्वारा **तनाव एवं समय प्रबंधन** पर व्याख्यान दिया गया। आपने संगीत के माध्यम से मानव जीवन में तनाव का उपयोग व्यक्तित्व के विकास में महत्वपूर्ण होने की बात कही। संगीत, कला जीवन में सरसता पैदा करते हैं जिससे तनाव कष्टकारी नहीं होता। आपने जीवन दर्शन को संगीत के माध्याम से विस्तार से समझाया जिसका सभी दर्शकों ने भरपूर आनंद लिया। आपने बताया कि जीवन में कितनी भी रूकावटें आएं लेकिन वह कभी रूकता नहीं जिस प्रकार से पानी के मार्ग में कई अवरोध आते हैं लेकिन वह दूसरा मार्ग बना लेता है। आपने बहुत ही सहज पद्धति से जीवन में आनेवाले तनाव को निपटने का मार्ग बताया है।

१०. व्यक्तित्व के समग्र विकास पर वैज्ञानिक विचार

दिनांक 27.03.2018 को डॉ. संजय फडके, M.D. Consulting Neuropsychiatrist, दीनानाथ मंगेशकर हॉस्पीटल एंड रिसर्च सेंटर, पुणे द्वारा **''व्यक्तित्व के समग्र विकास पर वैज्ञानिक विचार''** विषय पर उद्बोधन का आयोजन किया गया। डॉ. फडके जी ने बताया कि व्यक्तित्व विकास की इच्छा प्रत्येक वर्ग की होती है। मानव मस्तिष्क प्राकृतिक रूप से कुछ विकसित होता है जिसको और अधिक विकास करने की आवश्यकता है। मनुष्य प्रत्येक कार्य के लिए शार्ट कट का रास्ता अपनाता है और उसकी यह आदत बन जाती है। व्यक्ति को अपने कार्य पर नियंत्रण होना चाहिए। सामान्यतया वह पसंद आनेवाले कार्य को आवश्यकता से ज्यादा करता है जबकि कुछ कार्य आवश्यक होते हुए भी नहीं किए जाते क्योंकि वह कार्य पसंद नहीं। इसे नियंत्रण में रखने को ही मैच्युरिटी एवं सचेतन अवस्था कहते हैं जिसमें किसी भी कार्य को संतुलित मात्रा में आवश्यकतानुसार ही किया जाता है। इसके लिए अभ्यास की आवश्यकता होती है।

10. निकट भविष्य में आयोजित विशेष पाठ्यक्रम

क्र	पाठ्यक्रम म सं.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	प्रारंभ	समापन
1	18824	यू.एस.एफ.डी., वेल्डिंग, रेल ग्राइंडिंग	02.05.18	12.05.18
2	18314	सी.बी.ई. सेमिनार	03.05.18	04.05.18
3	18708	आई.आर.एस.ई.ई.के लिए जागरूकता पाठ्य.	07.05.18	11.05.18
4	18430	वरिष्ठ मंडल इंजीनियर्स (समन्वय) के लिए टी.एम.एस.पर कार्यशाला	14.05.18	15.05.18
5	18825	एल.डब्ल्यू.आर.	14.05.18	18.05.18
6	18826	ठेका प्रबंधन	14.05.18	18.05.18
7	18307	राज्य संयुक्त उद्यम	17.05.18	18.05.18
8	18827	सर्वे (कार्य)	21.05.18	25.05.18
9	18828	रेल पहिया इंटरेक्शन तथा अवपथन	21.05.18	01.06.18
10	18306	सी.ई. / टी.एम.एस. सेमिनार	24.05.18	25.05.18
11	18305	पी.एस.यू के लिएएक सप्ताहका विशेषपाठ्यक्रम	28.05.18	01.06.18
12	18829	फॉर्मेशन	28.05.18	08.06.18
13	18002	आई.आर.एस.ई फेज– II	04.06.18	10.08.18
14	18830	जलापूर्ति, सीवरेज तथा जल लेखा–परीक्षा सहित भूमि प्रबंधन	04.06.18	08.06.18
15	18831	पुलों का निरीक्षण और अनुरक्षण	04.06.18	08.06.18
16	18308	सी. टी. ई. सेमिनार	07.06.18	08.06.18
17	18414	मैकेनाइज्ड रेलपथ अनुरक्षण, नवीनीकरण,रेल ग्राइंडिंग,यू.एस.एफ.डी. एवं रेलपथ निगरानी	11.06.18	22.06.18
18	18832	रेलपथ प्रबंधन प्रणाली	11.06.18	15.06.18
19	18833	भवन निर्माण और अनुरक्षण	11.06.18	16.06.18
20	18709	आई.आर.टी.एस.के लिए जागरूकता पाठ्यक्रम	18.06.18	22.06.18
21	18834	मैकेनाइज्ड रेलपथ अनुरक्षण, नवीनीकरण एवं टी.एम.ओ.	18.06.18	29.06.18
22	18835	यू.एस.एफ.डी.,वेल्डिंग, रेल ग्राइंडिंग	18.06.18	29.06.18
23	18415	रेल पहिया इंटरेक्शन एवं अवपथन	25.06.18	30.06.18
24	18416	लेआउट कैलकुलेशन	25.06.18	29.06.18

11. स्वागत/विदाई

इरिसेन में कार्यरत **श्री अनिल कुमार पटेल,** प्राध्यापक – रेलपथ एवं पूर्व उप मुख्य राजभाषा अधिकारी का वरिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी में पदोन्नति पर स्थानांतरण RVNL/पुणे में मुख्य परियोजना प्रबंधक के पद पर हुआ है। इरिसेन परिवार आपको हार्दिक बधाई देता है।

श्री शरद कुमार अग्रवाल, प्राध्यापक – पुल ने दिनांक 27/03/2018 को इरिसेन के उप मुख्य राजभाषा अधिकारी का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।

श्री एस.आर कुलकर्णी, सह प्राध्यापक/वित्त एवं लेखा पुणे ने दिनांक 30 जनवरी, 2017 को इरिसेन में कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इरिसेन में आने से पुणे मंडल में मंडल वित्त प्रबंधक के पद पर कार्यरत थे। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।

श्री एस. वसंत कुमारन, सहा.ग्रंथालय एवं सूचना अधिकारी ने दिनांक 30 जनवरी, 2018 को इरिसेन में कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इरिसेन में आने से पूर्व आप इरिन/नासिक रोड में उसी पद पर कार्यरत थे। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।

संस्थान के सहायक प्राध्यापक/रेलपथ **श्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह** का स्थानांतरण प्रतिनियुकित पर नेशनल हाई स्पीड रेल कार्पोशन लिमिटेड, मुंबई में प्रोजेक्ट मेनेजर के पद पर हुआ है। आप दिनांक 14 फरवरी, 2018 को संस्थान के कार्यभार से मुक्त हुए। संस्थान आपके सुखद एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

श्री वी. गणेश ने दिनांक 11 जनवरी 2018 को इरिसेन में वरिष्ठा अनुदेशक / रेलपथ–4 के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। इरिसेन में आने से पूर्व आप सोलापुर मंडल में सी.से.इंजी. (पीवे) म.रे. के पद पर कार्यरत थे। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।

श्री सब्यासाची रॉय, ने दिनांक 21 फरवरी, 2018 को इरिसेन में वरिष्ठ अनुदेशक/रेलपथ – 10 के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। इरिसेन में आने से पूर्व आप सुरतगढ़ उ.प.रे. में सी.से.इंजी. (पीवे) के पद पर कार्यरत थे। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।

12. समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट अधिकारी

सत्र सं. 17103 - समेकित पाठ्यक्रम

प्रथम

शैलेश कुमार
सहा. मंडल इंजी./
बरौनी/पूर्व मध्य रेल

द्वितीय

राजेन्द्र कुमार
सहा.मंडल.इंजी./मालीगांव,
पूर्वोत्तर रेल

तृतीय

दिलीप कुमार मीना
सहा. मंडल इंजी./
कॉनकोर/नई दिल्ली

एक समय आता है, जब मनुष्य अनुभव करता है कि थोड़ी–सी मनुष्य की सेवा करना लाखों जप–ध्यान से कहीं बढकर है।

– स्वामी विवेकानंद

शरद कुमार अग्रवाल, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक पुल, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे–1
द्वारा केवल सीमित निशुल्क वितरण हेतु प्रकाशित

Design & Printed By Kalyani Corporation, Pune-30. Tel. 24486080